>

Title: Regarding alleged atrocities on Dalits in the district of Hissar.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया और सरकार का ध्यान आकर्षित करने का मौका दिया है। महोदया, जिला हिसारपुर के मिर्चपुर गाँव में पिछले दिनों जिस प्रकार से दलितों पर अत्याचार किया गया और दलितों की बस्ती जला दी गई, वह जला ही नहीं दी गई, परंतु वहाँ एक उनकी लड़की जो हैन्डीकैप्ड थी और उनके पिता जिसका नाम ताराचन्द और बेटी का नाम सुमन है, जब कुछ नौजवानों ने वहाँ जाकर उसकी बस्ती में आग लगा दी तो वे उस आग में फँस गए और ज़िन्दा जल गए। मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि लगातार पिछले कई वर्षों से हरियाणा में देखने में आया है कि जो आम लॉ एंड आर्डर की पोज़ीशन है, उसको कास्ट बेस्ड झगड़ों में परिवर्तित कर दिया जाता है और वहाँ की सरकार दलितों पर अत्याचार को रोकने में सक्षम नहीं है। इसी प्रकार मैं समझता हूँ कि केवलमात्र एक कुत्ते के भौंकने से और कुछ अपर कास्ट के नौजवान जो हैं, वहाँ से गुज़रते हुए दलितों के साथ गाली-गलौज करने के बाद कुछ देर के बाद आते हैं और वहाँ पर पूरी तरह से गाँवों पर हमला बोल देते हैं और उनकी झुग्गी-झोंपड़ियाँ तेल और पैट्रोल लेकर जलाते हैं। परंतु जो वहाँ का लोकल एडमिनिस्ट्रेशन है, उसको पूरी तरह से काबू नहीं करता है। इसी प्रकार पिछले दिनों दलितों पर अत्याचार के जो मामले हरियाणा में सामने आए हैं, मैं समझता हूँ कि वहाँ की सरकार हमेशा आम लॉ एंड आर्डर की जो पोज़ीशन है, उसको दलितों और सवर्णों के बीच का झगड़ा बता देती है। यह मामला दलितों और सवर्णों के बीच का नहीं होने देना चाहिए था। इसी तरह से जाति उन्माद वाले मामले मैं आपके ध्यान में डालना चाहता हूँ कि हरियाणा में दुलिना कांड 2002 में हुआ। उसमें भी पाँच दलितों की हत्या कर दी गई। उनकी झुग्गी-झोंपड़ियाँ जला दी गई। हरसौला कांड में इसी प्रकार से हुआ, गोहाना कांड में हुआ, ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त करिये।

श्री वीरेन्द्र कश्यप : इसलिए मैं सरकार का ध्यान आपके माध्यम से आकर्षित करना चाहता हूं कि हरियाणा में लगातार दलितों पर जो अत्याचार हो रहे हैं, उस पर सरकार नोटिस ले और ऐसे मामलों को कास्ट बेस्ड मानकर के उन पर कार्यवाही करे।...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदया, यह बहुत ही गम्भीर मामला है और सरकार को गम्भीरता के साथ इसे संज्ञान में लेना चाहिए...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जो माननीय सदस्य अपने को इस मामले से संबद्ध करना चाहते हैं, कृपया अपना नाम भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : निम्नलिखित माननीय सदस्य श्री वीरेन्द्र कश्यप द्वारा उठाए गए मामले से अपने को संबद्ध करते हैं - श्री हंसराज गं. अहीर,

श्री अर्जुन राम मेघवाल और

श्री वीरेन्द्र कुमार।

MADAM SPEAKER: Rest of the matters shall be taken up at the end of the day.

...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): महोदया, सरकार इस बारे में सदन में बयान दे। दलितों पर हो रहे अत्याचार पर सरकार मौन क्यों बैठी है?...(व्यवधान)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Madam, I understand that a large number of hon. Members wish to participate in the discussion on the Demands for Grants relating to the Ministry of Rural Development, therefore, I would seek your permission as also of the House to take it up immediately and we may skip the Lunch Hour.

MADAM SPEAKER: Yes.

...(*Interruptions*)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Madam, the hon. Members are aware of the fact that anything which is said during the 'Zero Hour' comes to the concerned Ministry and then we respond. You do not respond to the 'Zero Hour'. There is no notice to any Minister, and you do not respond that way, but I will convey it to the concerned Minister...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: He said that he would bring it to the notice of the concerned Minister.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: If the House agrees, we will dispense with the Lunch Hour.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Now, we will take up Discussion on the Demands for Grants.

SHRI B. MAHTAB (CUTTACK): Madam, with great difficulty my 'Zero Hour' notice has come today...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: I have said that we would take them up later in the evening.

SHRI B. MAHTAB: After the discussion is over? Madam, this discussion will continue till 8 o'clock in the evening.

MADAM SPEAKER: I have announced. Your name is there, we will take it up in the evening.